

---

# Minakshi Ashtakam 2

---

## मीनाक्ष्यष्टकम् २

---

### Document Information

Text title : Minakshi Ashtakam 2

File name : mInAkShyaShTakam2.itx

Category : devii, devI, aShTaka, mInAkShI

Location : doc\_devii

Author : Krishnananda Saraswati

Proofread by : Rajesh Thyagarajan

Description/comments : Minor works of Shri Krishnananda Saraswati

Latest update : November 6, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 6, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

## मीनाक्ष्यष्टकम् २



सामीनश्रीरञ्जितपङ्केरुह कान्तेर्नामी यस्याः पादसरोजद्वितयस्य ।  
कमी नाक्षीणाशुभवृत्तिर्लभते तां सा मीनाक्षी पातु समीकृत्य ममागः ॥ १ ॥

अव्यादव्यापादरतध्येयपदाब्जा दिव्या दिव्यापन्निचयान्मामपचेयात् ।  
स्तव्या भव्यापादनशीला निगमान्तैरव्याहारव्यापृतिभूमिनदृगीशा ॥ २ ॥

विद्यल्लेखाविभ्रमविश्राणनदीक्षाबद्धोत्साहश्रीपरिरव्याङ्गलतायाः ।  
मुग्धाकारस्मेरमुखेन्दोर्गिरिजायाः किञ्चिन्मे निष्क्रिञ्चनगम्यं प्रतिभाति ॥ ३ ॥

पाणौ वीणामादधती कीरकिशोरध्वानध्यातः स्वञ्चिततन्त्रीध्वनिभेदम् ।  
लावण्याब्धिलक्षितकारुण्यकटाक्षा श्यामा कामं मीनदृगम्बा परिपातु ॥ ४ ॥

कामारामोद्दामकटाक्षोत्कलिकाभिः क्षेमक्षामक्षालनदक्षा सुजनानाम् ।  
देवी वाचामाचरणान्तादनवद्या भायादन्तस्सन्ततमम्बा शफराक्षी ॥ ५ ॥

चारुस्मेराम्भोरुहकिञ्जल्करूपामापादाग्रादञ्चितभूषामुषिताङ्गीम् ।  
मालापाशौ पुस्तकचापौ च दधानां मीनाक्षीं तां चेतसि बालां कलयामि ॥ ६ ॥

वेणीमूलामुक्तनिशानाथवतंसा फालोन्मीलल्लोचनसङ्घर्षिललामा ।  
कीरालापध्मापितमन्दस्मितवक्त्रा मीनाक्षी नश्चेतसि नित्यं प्रतिभायात् ॥ ७ ॥

अम्बाकाराः सन्तु सहस्रं सुरवन्द्याः किञ्चालम्बे कामपि मूर्तिं कमनीयाम् ।  
लीलाकीरालङ्कृत पाणिं ललिताङ्गीं लोलापाङ्गां मीनदृगाख्यां शिवपत्नीम् ॥ ८ ॥

प्रातःकाले जल्पति यो ना नियतात्मा स्मृत्वा देवीमष्टकमिष्टार्थदमेतत् ।  
तस्य प्रीता सम्पदमुच्चैरपि वाचं दद्यादद्यालोकसवित्री शफराक्षी ॥ ९ ॥

श्रीरामभद्रयोगीन्द्रचरणाम्बुजरेणुना ।  
कृष्णानन्दसरस्वत्या श्रीमीनाक्ष्यष्टकं कृतम् ।  
इति कृष्णानन्दकृतिषु मीनाक्ष्यष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Rajesh Thyagarajan

---

——  
*Minakshi Ashtakam 2*

pdf was typeset on November 6, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

